विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 22 से 28 जनवरी 2026 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 36 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

क़ौन बनेगा अमरावती का नया महापौर

राज्य की कई महापालिकाओं में महापौर चुनाव को लेकर रस्साकशी,संभ्रम वाली स्थिति

उल्हासनगर और ठाणे के मेयर पद पर टिकी निगाह

विदर्भ स्वाभिमान, 21 जनवरी

अमरावती/मुंबई- अमरावती का अगला महापौर कौन होगा, इस बारे मैं स्थिति जहां स्पष्टा नहीं हो रही है, वहीं उल्हासनगर और ठाणे के महापौर पद को लेकर ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि मुख्यमंत्री के दावोस से लौटने के बाद बड़े डेवलपमेंट होने वाले हैं. एक तरफ, ठाणे, कल्याण डोंबिवली और उल्हासनगर में मेयर पद के लिए बीजेपी और शिवसेना के बीच खींचतान चल रही है. दूसरी तरफ, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने कहा है कि वहां महागठबंधन का मेयर बनेगा.

बीजेपी ने पूरे राज्य में नगर निगम चुनावों में सबसे बड़ी सफलता हासिल की है. शिवसेना ने ठाणे जिले में भी अच्छी सफलता हासिल की है. ठाणे जिले में ठाणे और कल्याण डोंबिवली नगर निगमों में बीजेपी का गठबंधन था. उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव में दोनों पार्टियों ने एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ा था. इसके बाद, ठाणे और कल्याण-डोंबिवली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में एख्-शिवसेना के महागठबंधन को कामयाबी मिली है. यहां, महागठबंधन ने सबसे ज़्यादा सीटें जीती हैं. फिर भी, मेयर पद के लिए दोनों पार्टियों में अभी भी मुकाबला चल रहा है.कल्याण डोंबिवली में, एक़ और शिवसेना के बीच मेयर पद के लिए मुकाबला चल रहा है.उल्हासनगर महापालिका में शिवसेना में जीतने वाले उम्मीदवारों के बीच सिर्फ़ एक डिजिट का अंतर है. लेकिन यहां, श्रीकांत शिंदे ने वंचित बहुजन अघाड़ी के साथ गठबंधन करके बहुमत हासिल कर लिया है. इसी तरह, कल्याण में भी शिवसेना का यही प्लान है. 5 पार्षदों ने एकनाथ शिंदे को सपोर्ट किया है. कल्याण डोंबिवली में एकनाथ शिंदे की शिवसेना बहुमत के करीब है. इसलिए, यह तय माना जा रहा है कि शिवसेना कल्याण डोंबिवली और उल्हासनगर में मेयर पद पर दावा करेगी.इस बात की भी पूरी संभावना है कि शिंदे की शिवसेना ठाणे मेयर पद पर दावा करेगी. इस बीच भाजपा खेमे से बड़ी खबर सामने आ रही है. अमरावती में गुरूवार को महापौर पद के आरक्षण के बाद ही तय होगा कि अगला महापौर कौन होगा. उपमहापौर,स्थायी समिति सभापति पद पर भी सभी की निगाहें लगी हैं.

नागपुर मेट्रो के दूसरे चरण के काम ने पकड़ी तेज गति

विदर्भ स्वाभिमान, 21 जनवरी

नागपुर-नागपुर मेट्रो का दूसरा फेज़ तेज़ी से पूरा हो रहा है. यह फेज़ दिसंबर 2027 तक चालू हो जाएगा. इससे जामथा स्टेडियम तक पहुँचना आसान हो जाएगा. मेट्रो नेटवर्क 83.8 किलोमीटर तक फैल जाएगा.मेट्रो के दूसरे फेज़ का काम तेज़ी से चल रहा है.अब तक 32 परसेंट काम पूरा हो चुका है और मेट्रो का दूसरा फेज़ दिसंबर 2027 तक पूरा हो जाएगा.उसके बाद जामथा स्टेडियम पहुँचने के लिए अशोकवन मेट्रो स्टेशन जाना होगा. वहाँ से जामथा स्टेडियम तक आसानी से पैदल जा सकते हैं. महामेट्रो ने भरोसा जताया कि इससे ट्रैफिक जाम की समस्या हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी.नागपुर मेट्रो प्रोजेक्ट के पहले फेज के बाद दूसरे फेज के काम में भी तेजी आ गई है. दूसरे फेज में मेट्रो 43.8 किलोमीटर के रूट पर चलेगी और 32 परसेंट काम पूरा हो चुका है. यह काम अप्रैल 2024 में शुरू किया गया था. दूसरे फेज में मेट्रो 43.8 किलोमीटर के रूट पर चलेगी. मेट्रो पश्चिम में ट्रांसपोर्टनगर (कापसी) और हिंगना, उत्तर में कन्हान और दक्षिण में बुटीबोरी गक्ष्क्व तक जाएगी. फेज-1 और फेज-2 मिलकर नागपुर में मेट्रो का 83.8 किलोमीटर का नेटवर्क बना रहे हैं. ट्रैक के लिए सिर्फ एक टेंडर निकलना बाकी है. यह टेंडर भी अगले छह महीने में निकाल दिया जाएगा. प्रोजेक्ट के लिए जरूरी जमीन भी मिल गई है. आज की तारीख में मेट्रो प्रोजेक्ट समय पर पूरा हो रहा है और महामेट्रो ने भरोसा जताया है कि दूसरे फेज का काम भी डेडलाइन के अंदर पूरा हो जाने से यात्री यातायात के मामले में बड़ी राहत मिलने वाली है.

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

ज़ीवन में जब तक हम निर्मल नहीं होते हैं, निस्वार्थी नहीं होते हैं तब तक कोई संबंध हमारे से बना नहीं रह सकता है.लेकिन जिस दिन हम निस्वार्थ भाव से प्रेम बांटेंगे, उस दिन से सदा अच्छे लोग मिलेंगे और जीवन की कमियां वैसे ही दूर हो जाएगी. यह जीवन में आजमाकर देखने का प्रयास करें. अनुभव आपको बहुत कुछ सिखा देगा.

दिल्ली सहित कई राज्यों में दो दिनों में बदलेगा मौसम

नई दिल्ली- देश की राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है. मौसम विभाग (क्ष्म्क़) के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के असर से 22 और 23 जनवरी 2026 के दौरान कई इलाकों में बारिश, ओलावृष्टि, तेज हवाएं और बिजली गिरने की संभावना है.मौसम विभाग के अनुसार, 22 और 23 जनवरी को दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है. कई इलाकों में ओले गिरने की भी संभावना जताई गई है. इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं.पश्चिमी राजस्थान में 22 जनवरी को हल्की बारिश के साथ बिजली गिरने और 30 40 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

मतदान को लेकर उदासीनता कमजोर करेगी लोकतंत्र

अमरावती महानगरपालिका चुनाव में मतदान को लेकर मतदाताओं की उदासीनता फिर एक बार सामने आ गई है. पढ़े-लिखे लोगों में मतदान को लेकर यह उदासीनता निश्चित ही लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी से कम नहीं कही जा सकती है. वैसे ही चुनावी खर्च के मामले में उम्मीदवारों द्वारा दिया जाने वाला विवरण किसी मजाक से कम नहीं कहा जा सकता है. मतदान का प्रतिशत पचास फीसदी रहा है. यह निश्चित ही चिंता के साथ ही चिंतन का विषय है. मेलघाट जैसे आदिवासी इलाके में 70 फीसदी मतदान और महानगर में मतदान का प्रतिशत इतना कम कई सवाल पैदा करता है. सरकार, चुनाव आयोग द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने पर लाखों रूपए का खर्च किया जा रहा है. ऐसे में हम कितने जागरूक हैं, जिसे स्वयं का भाग्य लिखने में भी शर्म महसूस होती है. चुनाव में घटता मतदान निश्चित ही लोगों की मानसिकता कैसी है, यह बताने के लिए काफी है. इसी तरह करोड़ों रूपए खर्च करने के बाद भी जब मतदान का प्रतिशत इतना कम है तो इस खर्च का क्या अर्थ है, ऐसा सवाल पैदा होता है.

मतदान खत्म हो गया और मतदाताओं ने इस चुनाव में अपना फैसला भी दे दिया. कईयों के लिए यह झटके वाला भी साबित हो रहा है. अब उम्मीदवारों के चुनावी प्रचार खर्च की विधिवत जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. राज्य निर्वाचन आयोग के स्पष्ट निर्देशों के तहत मनपा चुनाव कार्यालय ने सभी उम्मीदवारों को प्रचार पर किए गए खर्च का अंतिम और प्रमाणित विवरण अनिवार्य रूप से जमा कराने के आदेश जारी किए हैं. इस सिलसिले में शहर के सभी सात जोन अधिकारियों को पत्र भेजकर खर्च विवरण एकत्र करने और उसकी जांच कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं.निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार प्रत्येक उम्मीदवार को निर्धारित खर्च सीमा के भीतर रहकर ही चुनाव प्रचार करना होता है. आयोग ने स्पष्ट किया है कि वास्तविक खर्च छिपाना, गलत या अधूरा विवरण देना अथवा तय सीमा से अधिक खर्च करना गंभीर उल्लंघन माना जाएगा. ऐसे मामलों में संबंधित उम्मीदवार को नोटिस जारी करने के साथ आर्थिक दंड लगाया जा सकता है और गंभीर स्थिति में चुनाव तथा प्रत्याशी के खिलाफ अयोग्यता तक की कार्रवाई भी संभव है. चुनाव कार्यालय ने बताया कि खर्च विवरण की केवल औपचारिक नहीं, बल्कि दस्तावेजी और भौतिक जांच की जाएगी.लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान के साथ ही पारदर्शी चुनाव प्रणाली महत्वपूर्ण होती है. लेकिन दुर्भाग्यवश यह मनपा चुनाव में कम मतदान से प्रभावित हुई है. उम्मीद की जानी चाहिए कि आगामी चुनाव में शहरवासी सयानापन बताएंगे और मतदान करेंगे.

अमरावती को विकास में अपनों से चुनौती

विदर्भ स्वाभिमान

www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

अमरावती जिले के पर्यटन स्थल, रेलवे संबंधी सुविधाओं के साथ एसटी की भंगार बसे ही जिले के मत्थे मढ़ दी जाती हैं. ऐसे में सवाल पैदा होता है कि हमारे ही पड़ोस में नागपुर आज औद्योगित, हवाई, रेलवे सहित सभी विकास तेजी से कररहा है तो अमरावती संभाग इसमें पीछे क्यों है. इसका कारण केवल विजनहीन यहां के नेता हैं. जो अच्छे कामों में भी अपने अहंकारी संतुष्टि के लिए टांग अड़ाने से बाज नहीं आते हैं. श्रेय लेने के लिए जहां आगे रहते हैं, वहीं अपने पद तथा प्रतिष्ठा का उपयोग करते हुए अमरावती में नया लाने में नाकाबिल हैं. दस विधायक, दो सांसद सहित अन्य ताकतवर नेता रहने के बाद भी बेलोरा हवाई अड्डे की प्रगति की बात हो, अमरावती माडल स्टेशन से नई गाड़ी कीबात हो, फायदे का सौदा रहने के बाद भी यह सुविधाएं नहीं बढ़ रही हैं. निश्चित तौर पर यह जिले की जनता का दुर्भाग्य है, जहां विकास का विजन रखने वाले नेताओं की कमी है. रेलवे पुल बंद करने के बाद बेलपुरा के रास्ते की हालत बद्हाल है. लेकिन किसी को चिंता नहीं है. जनता मरे, अपनी मौत, इनको किसी से कोई लेना-देना नहीं है. सवाल यह है कि सभी नेता अगर अपने अहंकार को दरकिनार कर सरकार से भिड़कर काम करें तो निश्चित ही जिले का विकास तेज हो सकता है. लेकिन दुर्भाग्य कि ऐसा नहीं होता है.

संभागीय मुख्यालय अमरावती के बेलोरा हवाई अड्डे के विकास को लेकर प्रशासनिक स्तर पर गंभीरता बढ़ती दिखाई दे रही है.नेताओं द्वारा प्रयास किया जाए तो निश्चित तौर पर मार्च के अंत अथवा अप्रैल माह के पहले पखवाड़े तक बेलोरा हवाई अड्डे पर नाइट लैंडिंग की सुविधा शुरू हो सकती है. संबंधित विभाग भी इसके लिए प्रयासरत है. लेकिन नेताओं का साथ नहीं मिलने के कारण दिक्कतें आ रही हैं. अमरावती से दौड़ने वाली अमरावती-मुंबई, अमरावती-तिरूपति, अमरावती-सूरत, अमरावती-पुणे सहित सभी गाड़ियों में हाऊस फुल रहता है.बेलोरा से अमरावती-मुंबई हवाई सेवा भी फूल रहने के बाद इसे विस्तार देने के बारे में कोई क्यों नहीं सोचता है, यह भी सोचनीय प्रश्न है. नाइट लैंडिंग की व्यवस्था लागू होने के बाद न केवल रात में विमानों की आवाजाही संभव होगी, बल्कि अमरावती से देश के कुछ प्रमुख शहरों के लिए नई हवाई सेवाएं शुरू करने की भी तैयारी चल रही है. वर्तमान में अमरावती मुंबई हवाई सेवा को यात्रियों से जबरदस्त प्रतिसाद मिल रहा है. सभी नेता अब शहर तथा जिला विकास में योगदान दें, बस इतनी इच्छा.

भारतीय संस्कृति का गौरव : श्री गुरु तेगबहादुर साहिब

हिंद की चादर, यानी भारत भूमि का कवच, ऐसी पहचान है सिखों के नौवें गुरु, गुरु तेगबहादर साहिब की. गुरु तेगबहादर साहिब के बलिदान को 350 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं. इस अवसर पर महाराष्ट्र शासन और श्री गुरु तेगबहादर साहिब 350वीं शहादत समागम राज्यस्तरीय समिति की ओर से नागपुर में सफल आयोजन के बाद अब नांदेड में 24 और 25 जनवरी को भव्य आध्यात्मिक समागम का आयोजन किया जा रहा है. इसी अवसर पर गुरु तेगबहादर साहिब के जीवन और कार्य पर प्रकाश डालता यह लेख प्रस्तुत है.

सत्य और अहिंसा का संदेश-सत्य का मार्ग और अहिंसा का सिद्धांत भारतीय विचारधारा का अभिन्न अंग है. यह सिद्धांत केवल शारीरिक हिंसा न करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें मन में किसी के प्रति द्वेष न रखने का भी गहरा अर्थ है. भारतीय संस्कृति ने दुनिया को विविधता में एकता का मंत्र भी दिया है. एकं सत विप्रा बहुधा वदंति अर्थात सत्य एक है, किंतु विद्वान लोग इसे विभिन्न रूपों में व्यक्त करते हैं. यह ऋग्वेद का सूत्र भारतीय संस्कृति में धार्मिक सहिष्णुता और सर्वधर्मसमभाव का मूल आधार माना जाता है.जहाँ पश्चिमी संस्कृतियाँ भोग और सुख पर जोर देती हैं, वहीं भारतीय संस्कृति त्याग और बलिदान को महत्व देती है. इसी विचारधारा की स्मृति बनाए रखने के लिए इस भारतभूमि में कई महापुरुष पैदा हुए. समाज को समता, सेवा और भक्ति का मार्ग दिखाने वाले सिख समुदाय के तेजस्वी परंपरा में जन्मे गुरु तेगबहादर साहिब ऐसे ही महापुरुषों में शामिल हैं.गुरु तेगबहादर साहिब का बलिदान भारतीय मध्यकालीन इतिहास में समर्पण का एक महत्वपूर्ण और स्थायी अध्याय है. चाहे वह श्री गुरु नानक देव हों, श्री गुरु तेगबहादर साहिब हों या श्री गुरु गोबिंद सिंह साहिब, इन सभी महापुरुषों ने विदेशी अत्याचारों के समय भारत की जनता के आत्मसम्मान को जागृत करने और समाज को दिशा दिखाने का कार्य किया. इसलिए गुरु तेगबहादर साहिब की स्मृति आज भी

उनके विचार और मानवता के प्रति उनके बलिदान को हमारे सामने जीवित करती है.जन्म और पृष्ठभूमि-गुरु तेगबहादुर साहिब का जन्म 1621 में अमृतसर में सिखों के छठे गुरु, श्री हरगोविंद साहिब के घर हुआ. गुरु हरगोविंद साहिब के पांच पुत्रों में वह सबसे छोटे थे. वे अध्यात्मिक प्रवृत्ति वाले, अंतर्मुख और मौनप्रिय थे. गुरुपद की जिम्मेदारी संभालने के बाद उन्होंने सिख समाज को संगठित करने के प्रयास शुरू किए.लगभग 1665 में उन्होंने आनंदपुर की स्थापना की, जो बाद में आनंदपुर साहिब के नाम से प्रसिद्ध हुआ. सिख धर्म के पवित्र स्थलों में इसे एक महत्वपूर्ण स्थल माना जाता है. गुरु तेगबहादुर साहिब ने तत्कालीन बंगाल, बिहार, असम सहित देश के कई हिस्सों का भ्रमण कर अपने विचारों का प्रचार किया. 1666 में पाटणा (पाटणा साहिब) में उनके घर में गुरु गोबिंद सिंह का जन्म हुआ. वे सिख धर्म के दसवें गुरु बने.

साहित्य, उपदेश और आध्यात्म-गुरु तेगबहादुर साहिब केवल धर्मगुरु नहीं थे, बल्कि उत्कृष्ट साहित्यकार और रचनाकार भी थे. उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से सिख दर्शन का प्रचार किया. सरल भाषा में उनके विचार अत्यंत सशक्त थे. उनके साहित्य का मुख्य केंद्र वैराग्य, नाम सिमरन (ईश्वर स्मरण) और जीवन की नश्वरता है. उनके विषय धार्मिक, दार्शनिक और जीवन की क्षणभंगुरता को दर्शाते हैं.उनकी रचनाएँ गुरु ग्रंथ साहिब में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं. इन रचनाओं को सामान्यतः शबद या भजन कहा जाता है. इनमें ईश्वर, मानव संबंध, सेवा, मन-शरीर, मृत्यु, प्रतिष्ठा और मानव स्थिति जैसे विषय शामिल हैं.संघर्ष का कालखंड-गुरु तेगबहादुर साहिब का जीवनकाल भारतीय इतिहास का एक चुनौतीपूर्ण समय था. विदेशी आक्रमणों के बाद तत्कालीन शासकों की सत्ता देश के कई हिस्सों में स्थिर हो रही थी. यह समय धार्मिक कट्टरता और आक्रमक विस्तार का था. ऐसे प्रतिकूल समय में गुरु तेगबहादुर साहिब ने अत्याचार का प्रतिकार हिंसा से नहीं, बल्कि त्याग से किया.

सर्वोच्च बलिदान-गुरु तेगबहादर साहिब के जीवन का सर्वोच्च अध्याय उनका बलिदान है. लगभग 1675 में कश्मीर के पंडितों के प्रतिनिधि आनंदपुर साहिब आए और धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किए जा रहे लोगों की व्यथा सुनाई. गुरु साहिब ने धैर्यपूर्वक यह उत्तर दिया कि धर्म की रक्षा के लिए बलिदान आवश्यक है.गुरु साहिब दिल्ली गए, जहाँ बादशाह ने उन्हें कैद किया और धर्म स्वीकार करने के लिए प्रलोभन दिए. गुरु साहिब ने इन सभी को अस्वीकार कर दिया. उनके शिष्यों को उनके सामने शहीद किया गया. संतापित बादशाह ने उन्हें सिर काटने का आदेश दिया, जो अमल में आया. यह बलिदान आज दिल्ली के चांदनी चौक में सीस गंज साहिब गुरुद्वारा में स्मरणीय है.गुरु साहिब ने कहा था-अगर मेरा बलिदान निर्दोष लोगों की श्रद्धा की रक्षा करेगा, तो यही मेरा सर्वोच्च धर्मकार्य होगा. यह शब्द केवल त्याग नहीं, बल्कि मानवता की रक्षा की घोषणा थे.मानवता का संदेश-गुरु तेगबहादर साहिब ने सभी धर्मों के समानता का संदेश दिया. वे मानते थे कि सभी मनुष्य एक ही परमात्मा के पुत्र हैं. धर्म का अर्थ कर्तव्य और आदर्श जीवन है. उनका यह संदेश आज भी प्रासंगिक है.

रमाकांत दाणी
प्रसिद्धि समन्वयक,
संचालक सूचना एवं
जनसंपर्क कार्यालय, नागपुर.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010 43881

तुलजापुर भवानी दर्शन ट्रिप

अमरावती- जीवन में कमाई के साथ ही स्वयं के लिए भी पल निकालना चाहिए. कई लोग जीवनभर कमाते हैं और धन आ जाता है लेकिन शरीर साथ नहीं देने के कारण कहीं घूम नहीं पाते हैं. लंबे समय के बाद तुलजापुर में भवानी माता के दर्शन की इच्छा होने के बाद चार परिवारों की ट्रिप निकाली गई. इसके प्रमुख सागर रंधवे थे. रेलवे की टिकट से लेकर वहां पर रहने और खान-पान की सभी व्यवस्था में सभी का सहयोग रहा और भवानी माता का दर्शन करने के साथ ट्रिप यादगार रही. वापसी से पूर्व होटल कामत शिवम के सामने ग्रुप फोटो. बच्चों से लेकर बड़ों ने इस ट्रिप का जमकर आनंद लिया.इसमें वीणा दुबे,श्वेता,वंशिका, संकेत खोडे, प्राची ठाकुर, नीलम ठोंबरे, राधा, राधिका के साथ बड़ी संख्या में बच्चों ने सहभाग लेकर आनंद लिया.

बदहाल है परतवाड़ा से अंजनगांव सुर्जी महामार्ग

विदर्भ स्वाभिमान, 21 जनवरी

अमरावती- जिले के सर्वाधिक व्यस्तम मार्ग में से एक परतवाडा से अंजनगाव राष्ट्रीय महामार्ग पर हाल में बढ़ते सड़क हादसों को देखते हुए मेलघाट क्षेत्र के विधायक केवलराम काळे की अध्यक्षता में सर्किट हाउस परतवाडा में अहम बैठक लेकर इसमें लोकनिर्माण विभाग के अधिकारियों को तत्काल समुचित कदम उठाने का निर्देश दिया गया. बैठक में लोकनिर्माण विभाग और राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरण के अधिकारी, परतवाडा पुलिस, स्थानीय सरपंच और नागरिक उपस्थित थे. सभी ने रास्ते के गड्?ढों को तत्काल सुधारने पर जोर दिया. इस बारे में बैठक लेकर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भी कड़ी फटकार लगाते हुए रास्ते की तमाम दिक्कतों को दूर करने का निर्देश दिया. इसके लिए उनकी सराहना की जानी चाहिए.

लेकिन निर्देश देने के पहले क्या यह रास्तों की दयनीय हालत लोकनिर्माण विभाग को नहीं दिखाई देती है, यह भी गंभीर सवाल है. विधायक द्वारा ली गई बैठक में दुर्घटना-प्रवण स्थलों का निरीक्षण किया गया और स्पीड ब्रेकर, स्ट्रीट लाइट, दिशादर्शक व सूचनाफलक, वाहन गति नियंत्रण जैसे सुरक्षा उपायों पर चर्चा की गई. संबंधित विभाग ने विधायक के समक्ष नागरिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र सुधार का आश्वासन दिया. लोकनिर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ रास्ते का निरीक्षण करने और समुचित कदम उठाने को लेकर भी चर्चा की गई.परतवाडा अंजनगाव महामार्ग पर होने वाले हादसे गंभीर हैं. दुर्घटना-प्रवण स्थलों पर तुरंत स्पीड ब्रेकर, प्रकाश व्यवस्था और दिशादर्शक फलक लगाए जाएंगे. नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएंगे. रास्ते के कारण बदहाल व्यवस्था को लेकर काफी नाराजी चल रही है. रास्ते पर होने वाली दुर्घटनाओं पर गंभीर रुख अख्तियार करते हुए उन्होंने लोकनिर्माण विभाग को मामले को गंभीरता से लेने तथा प्रभावी कदम उठाने को कहा. रास्ते की बदहाली के कारण कई दुर्घटनाएं हुई हैं और इनका खतरा भी रहता है. इस मामले में लोकनिर्माण विभाग को गंभीरता से काम करने का प्रयास करना चाहिए. रास्ते की बदहाली के कारण अभी तक कई दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं. लेकिन शिकायतों के बाद भी किसी ने ध्यान नहीं दिया है. वाहन चालकों के साथ ही बड़ी संख्या में लोगों को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है. इसे तत्काल सुधारने की मांग की जा रही है.

महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण विभाग, जेल रोड, अमरावती

निविदा सूचना क्र.15 सन 2025-26

अमरावती महानगर पालिकि क्षेत्रातील अमरावती महानगर पालिका क्षेत्रातील मंगलधाम वर महादेव खोरी लगतच्या भागातील मलवाहिनीचे चोकअप व चेंबर्स दुरूस्तीचे (जिला विकास नियोजन समिति अंतर्गत पूर्ण ठेव तत्वावर) कामाकरीता म.जी.प्रा. अंतर्गत वर्ग-6 (स्थापत्य) व त्यावरील पंजीबद्ध कंत्राटदार यांचे कडून निविदा मागविण्यात येत आहे. या निविदेच्या कामाकची अंदाजित किंमत रू. 8,29,889/-इतकी आहे. सदर निविदेबाबतचा सवस्तिर तपशलि कार्यकारी अभियंता महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण, विभाग जेल रोड, अमरावती या कार्यालयातील सुचना फलकावर दि. 21/01/2026 पासून उपलब्ध राहील.

एस.जी. चव्हाण
कार्यकारी अभियंता,
म.जी.प्रा.विभाग, अमरावती.

(वि.मा.का./अम/जाहि/947 2025-26)

बेंकट नाम की परिभाषा और पुण्यफल

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

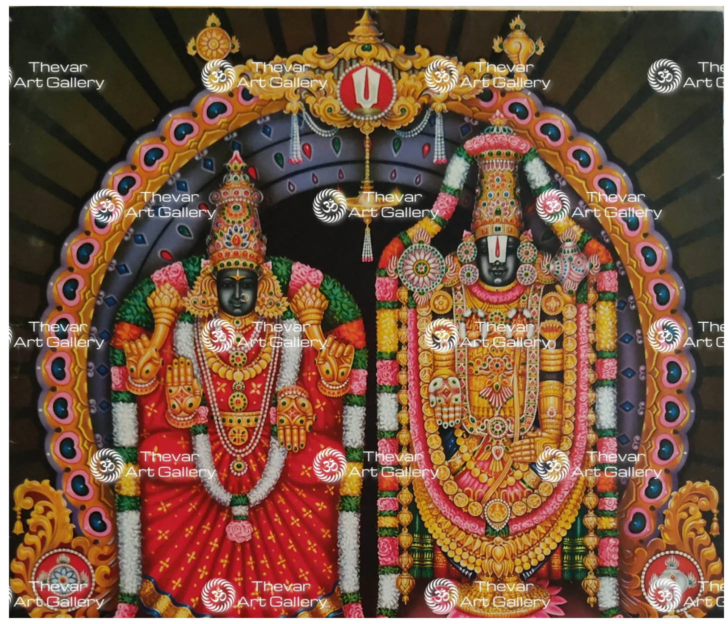

गतांक से जारी- सुंदर पुत्री तुमको होगी. प्रीति से उस पुत्रिका का विवाह श्रीहरि के साथ करो.ब्रहम ने तदुपरांत मोद से वैकुंठपूरि पहुँच जाओ. ने माधव में इस रूप में कहा.

बेकट नाम की परिभाषा और पुण्य फल-माधव को ब्रह्म देव ने इस रूप में वरदान देकर उसे विदा किया. संतोष के साथ उस पर्वत को वेंकटाचल सार्थक नाम दिया. तदुपरांत ब्रह्म, रूद्रादि देवतागण अपने निजी स्थानों पर लौट गए. कहते सुनकर जनक ने 'वेंकटाक्षरत्रय का अर्थ बताइए शतानंद से पूछा. तब शतानंद ने इस रूप में कहा. सुनो. 'वे' नामक पाप के इंधन को 'कट' युगलक्षराग्नि ने मुख्य रूप से भस्म किया. इसलिए हे अवनी नाथ! बैंकटगिरि नाम इस गिरि के लिए सार्थक हो गया. इसलिए प्रातःकाल ही उठकर वेंकटाद्रि का स्मरण करने वाले धीर को अवनि में क्रम से सौ गंगा स्नान, हजार सेतु यात्रा करने का पुण्य फल प्राप्त होगा. अवनि में उन्हें सुख-संतोष प्राप्त होंगे. इस कथा को मेरे गुरु गौतम महर्षि ने मुझे जिस रीति से बताया उसी रीति में मैंने आपको बताया. इसे सुननेवालों को शुभ प्राप्त होंगे.'

जनक के द्वारा वेंकटात्रि के दर्शन करना-धरती पर इह और पर सुखों को चाहनेवाले अवश्य ही इस कथा को सुनना चाहिए.'शतानंद मुनि के इस रूप में कहने से जनक उस वेंकटाद्रि की यात्रा करने का निर्णय करके अपने हित मंत्रीगण और शतानंद को साथ लेकर वेंकटाद्रि पर आये. स्वामी पुष्करिणी में स्त्रान करके भू वराह स्वामी के दर्शन किए. बाद में श्रीनिवास के दर्शन किए. वहीं पर दोनों देवों की सन्निधि में कुछ दिन रहे.बाद में मिथिलापुर पहुँच गुण इस प्रकार वेंकटाद्रि के दर्शन करने के पुण्यफल से बाद में श्री रामचंद्र ने शिव धनुर्भग किया. सीता के साथ विवाह दिया. सौमित्री ने ऊर्मिला के साथ, भरत ने मांडवी के साथ शत्रुघ्न न भूतक के साथ विवाह किया. तब वेंकटाद्रि की महिमा के बारे में सुनने से अपनी इच्छा की पूर्ति हुई है, ऐसा जनक ने संतोष प्रकट किया तदुपरांत शतानंद अपने तपोवन लौट गए. इस रूप्त में कहनेवाले सूत को देखकर शौनकादि मुनियों ने कहा.

कमलासन ब्रह्म ने वेंकटाद्रि पर श्रीहरि के लिए स्थीत्सब किया ऐसा आपने बताया. तब कमलाक्ष वेंकटाद्रि पर कितने समय के लिए में रहे.' मुनियों की बातें सुनकर सूत ने इस रूप में कहा. 'श्री वेंकटांड क पर आद्य देव वराह स्वामी के साथ श्रीहरि नेत्र पर्व से विपुल शेषरिने पर कलियुगांत तक रहे.

श्री वेंकटेश्वर का फिर से वैकुंठ पहुँचना-प्राकृत जनों के मन में वास करते हुए धरती पर रहनेवाले श्री वेंकटाद्रि विभ और परग अप्राकृत प्रभाओं से दीपित होकर मिहिराव कांतियों से वराह स्वामी चमकते रहे. बहुरत्न गोपुर और प्राकार चमकनेवाले चार द्वारों के साथ, महनीय मरकत मणि तोरणों से शोभित वैकुंठपुर का स्मरण करके वहाँ के नित्य, मुक्तियों को देखने की इच्छा से वेंकटाद्रि विभ 'शेषाद्रि को शुभ्रघोणी के रूप में पालन करो. बताकर उन्हें उसे सौंपकर स्वयं मायानिगूढ विमान पर बैठकर श्रीदेवी, भूदेवो और नीला देवी समेत श्री वेंकटेश्वर वैकुंठपुर चले गए. वहाँ नित्य शूने को देखकर, उनका आदर करके अप्राकृत मणिमय अंतःपुर में शेषशब्य पर बसे.तब शेषाद्रि पर रहनेवाले वराह स्वामी विश्वकर्म के द्वारा निर्मित नगर को अंतर्धान करके स्वेच्छा से वन विहार करते रहे बाद में वृषभासुर से युद्ध करने निकले. इस प्रकार कुछ वर्ष बीत गए. फिर एक नारद वेंकटाद्रि पर आकर श्रीनिवास के वैकुंठ लौट जाने का वृत्तांत सत्य लोक जाकर ब्रह्म को नमस्कार करके इस रूप में कहा.लाखों भक्त यहां सदा आते हैं. ज़ीवन में खुशियां लाने वाले गोविंदा की कृपा सभी पर बरसती रहे, यही कामना. ज़य गोविंदा.

शेष अगले अंक में

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे   प्रबंधक : सौ. विणा एम. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

विदर्भ स्वाभिमान

मानव धर्म, माता-पिता सेवा महात्म्य तथा राष्ट्रधर्म प्रोत्साहित करने वाला अखबार

आवश्यक नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112,100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444
साइबर अपराध	1930

हेमंतकुमार मालवीय,हिंदुत्व योद्धा की जिम्मेदारी

२८ को जन्मदिन पर विशेष, सामाजिक,धार्मिक कार्य में रहते हैं सदैव अग्रणी,हजारों मित्र बनाया

शहर ही नहीं तो सामाजिक, धार्मिक कामों में सदैव अग्रणी रहने वाले और हरदिल अजीज व्यक्तित्व तथा अमरावती में अंतर्राष्ट्रीय शिव महापुराण कथाकार पं.प्रदीप मिश्रा की कथा की कल्पना करने वाले और प्रयास शुरू करने वाले हेमंत मालवीय धार्मिकता से ओतप्रोत तथा समाजसेवी व्यक्ति हैं. उनका 28 जनवरी को जन्मदिन है. सर्वप्रथम उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार द्वारा हार्दिक शुभकामनाएं. उनकी नस-नस में जहां सनातन धर्म के प्रति अपार प्रेम है, वहीं हिन्दुत्व के योद्धा के रूप में गौमाता की रक्षा की बात हो अथवा सामाजिक अथवा धार्मिक आयोजन, वे सदा आगे रहते हैं.

मिलनसार स्वभाव के कारण उन्हों ने हजारों मित्र परिवार बनाए हैं. आज भी गौमाता अथवा हिन्दू देवी-देवताओं की अवमानना जैसे मुद्दे पर मुखरता के साथ आवाज उठाते हैं. सनातन धर्म के प्रचार के साथ ही इसके लिए सदैव अग्रणी रहने वाले हेमंत मालवीय के मिलनसार स्वभाव के कारण उन्हों ने हजारों लोगों को मित्र बनाया है. हरसंभव मदद के लिए जहां तत्पर रहते हैं. वहीं जहां भी आवाज दिया जाए, पहुंचकर हरसंभव सहयोग देने का भाव रखते हैं. यही कारण है कि आज शहर में जानी-पहचानी हस्ती के रूप में उनका जिक्र किया जाता है.शहर के विकासार्थ जहां वे प्रयासरत रहते हैं, वहीं जनसमस्याओं को लेकर अभी तक दर्जनभर से अधिक आंदोलन कर समस्या का निराकरण कराने के कारण अपार लोकप्रियता अंबापेठ क्षेत्र तथा अन्य क्षेत्रों में हैं. सेवा कार्यों के साथ दर्जनभर से अधिक धार्मिक,सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी हैं. इतना ही नहीं तो सनातन धर्म की महत्ता और शहर की धार्मिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए कई वाटसअैप ग्रुपों के माध्यम से भी सेवा,धर्म कार्य को आगे बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं.बचपन से ही संकोची लेकिन सामाजिक सेवा का भाव रखने वाले हेमंत मालवीय विभिन्न सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों में अग्रणी रहते हैं.धर्मनिष्ठा व संस्कारशीलता, सत्य, अहिंसा, करूणा, सेवा और संयम जैसे शाश्वत मूल्यों का पालन करते हैं. राष्ट्रभक्ति से वे ओतप्रोत हैं और भारत की संस्कृति, परंपरा, भाषा और इतिहास के संरक्षण व संवर्धन के लिए सक्रिय योगदान देते हैं. हेमंतकुमार मालवीय जाति-वर्ग से ऊपर उठकर सभी के साथ समान व्यवहार करते हुए मानवता के धर्म को सबसे श्रेष्ठ मानते हैं. शिक्षा, स्वास्थ्य, आपदा-सेवा, गौ-संरक्षण, पर्यावरण और समाजोत्थान में निस्वार्थ सहभागिता रहती है. गौशालाओं को नियमित मदद के अलावा सभी के साथ मिलकर हिंदुत्व को मजबूत करने का प्रयास करते हैं.अन्याय के विरुद्ध निर्भीक आवाज़, परंतु शांति, संवाद

और संवैधानिक मर्यादा के साथ काम करते हैं. त्योहारों, परंपराओं, लोककला, योग-आयुर्वेद और भारतीय जीवन पद्धति का प्रचार-प्रसार करने में योगदान देते हैं.समन्वयवादी दृष्टि उनकी खूबी है. विविधताओं का सम्मान करते हुए राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने और हिंदुओं को एकजुट करने का प्रयास करते हैं. हिंदुत्व सेवी व्यक्तित्व हेमंतकुमार मालवीये मानवता, सेवा और संस्कृति के संगम से राष्ट्र को सशक्त बनाने में स्वयं के योगदान के अलावा अन्यों को भी प्रेरित करते हैं.

बोलने में कम और करने में अधिक विश्वास रखने वाले हेमंतकुमार मालवीय को जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, भोलेनाथ की सेवा करते रहें, यही कामना. जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान,अमरावती.

श्री शिवाय नमस्तुभ्यम

ज़न्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

हर दिन से प्यारा लगता है हमें ये खास दिन,
जिसे बिताना नहीं चाहते आप बिन।
वैसे तो दिल देता है सदा ही दुआ आपको,
फिर भी कहते हैं मुबारक हो जन्मदिन आपको।

हेमंतकुमार मालवीय

सनातन धर्म के योद्धा, सामाजिक, धार्मिक कामों में सदैव अग्रणी रहने वाले, संत-महात्माओं की सेवा में योगदान देने वाले, सभी के चहेते

हेमंतकुमार मालवीय

को जन्मदिन 28 जनवरी पर हम सभी की हार्दिक शुभकामनाएँ.भोलेनाथ की कृपा बनी रहे, यही कामना, जन्मदिन पर हार्दिक

शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक

पृथ्वी सिंह लिलकी, महेश राठी,कैलाश गुप्ता, अमित मंत्री,विक्की शर्मा, दिनेश साबू, संतोष साहू,भानु ठाकुर,विकास डोंमली भाईजी), कमल चवारे, सूरज घारू, संदीप चावरे समस्त हिंदू संगठन सामाजिक संगठन मित्र मंडल महाराष्ट्र एवं जिला समिति, हेमंतकुमार मालवीय मित्र परिवार,अमरावती

गुरूवार 22 से 28 ज़नवरी 2026 तक का भविष्य

मेष-मेष राशि के लोग आम तौर पर बहुत चतुर स्वभाव के होते हैं. इनकी खासियत यह है कि ये बहुत जोशीले और जिद्दी स्वभाव वाले तथा अपमान बर्दाश्त नहीं करने वाले होते हैं. किसी बात को तब तक नहीं स्वीकार करते हैं, जब तक इनका खुद का नुकसान नहीं हो रहा हो. नया साल भाग्यदायी साबित हो सकता है.

वृषभ-यह सप्ताह भागदौड़ से भरा रहेगा. आपका मन अशांत रहेगा. स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में कोई बड़ी डील हाथ से निकल सकती है. परिवार में किसी अपने का दुखद समाचार प्राप्त होगा. पत्नी से मतभेद हो सकते हैं.

मिथुन-थोड़ी सी मेहनत भी आपको कामयाबी दिला सकती है. रिश्तों में विवाद टाले. अपनों के बारे में चिंता की संभावना है.यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का पूरा फायदा मिलने वाला है.

कर्क-दिखावे के चक्कर में कर्ज का बोझ बढ़ाने से बचें . आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह-सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है. वाहन चलाते समय सावधानी बरतना उचित रहेगा. किसी से भी नाहक के विवाद से बचने का प्रयास लाभदायी होगा.

कन्या-विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. सप्ताह में माता-पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. उन्हें खुश रखने का बेहतरीन फल प्राप्त हो सकता है. परिवार में किसी से विवाद से बचना श्रेयस्कर होगा.

तुला-घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है. सप्ताह बेहतरीन है. समुचित मेहनत आपको इच्छा पूर्ति करने में कामयाबी दिला सकती है.

वृश्चिक-दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है.प्रयासों की निरंतरता जरूरी. छात्रों के लिए पढ़ाई का बेहतरीन मौका है. स्पर्धा परीक्षा में सफलता के योग हैं.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं. परिवार में किसी के साथ मनमुटाव से बचें . आपका भाग्य चमक सकता है.

मकर-घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर विशेष ध्यान दें.

कुंभ-सप्ताह बेहतरीन रहने वाला है. मेहनत और समझदारी जरूरी है. स्वास्थ्य के मामले में ध्यान देना जरूरी है. इस सप्ताह प्रभु की कृपा से बड़ा काम हो सकता है. किसी से नाहक विवाद करने से बचें. अपने काम पर ध्यान देकर बेहतरीन करने का प्रयास करें. सप्ताह आपके लिए अत्याधिक फलदायी है.काम बनने और लोगों का सहयोग मिलेगा.

ज़नहित को मानते हैं सबसे बड़ी जनसेवा

क़ांग्रेस को मजबूत बनाने में सांसद बलवंत वानखड़े आगे

विदर्भ स्वाभिमान, 21 जनवरी

अमरावती-जिले के सांसद बलवंतराव वानखडे कांग्रेस की मजबूती के लिए जहां प्रयासरत रहते हैं, वहीं दूसरी ओर जनता की सेवा को सबसे बड़ी सेवा मानते हैं. उनका कहना है कि लोगों ने उन पर जो विश्वास डाला है, उसे निभाने की अपनी ओर से पूरी कोशिस कर रहे हैं. इसमें कुछ कमी हो सकती है लेकिन अपने स्तर पर सदा जनहित को प्राथमिकता देते हैं.

ज़ीवन में कुछ लोग बोलने में कम और करने में अधिक विश्वास रखते हैं. अमरावती जिले के लोकप्रिय सांसद के साथ ही जमीन से जुड़े कार्यकर्ता से लेकर जिला परिषद सदस्य से लेकर लोकतंत्र के सर्वो च्च सदन संसद के सदस्य के रूप में जिस तरह से सांसद बलवंत बसवंत वानखडे का कामचल रहा है, वह निश्चित ही लोगों को प्रभावित कर रहा है. सादगी इतनी कि किसी के मन को बिना किसी तरह का दर्द पहुंचाए लोगों की समस्याओं को हल करने का प्रयास करते हैं. अधिकारियों की बैठक में भी उनकी शालीनता जहां सभी को प्रभावित करती है, वहीं लोगों की समस्या लोगों के सहयोग से सुलझाने की उनकी सादगी निश्चित ही सराहनीय है. दिल के साफ तथा सभी को साथ लेकर चलने में वे जहां विश्वास रखते हैं, वहीं विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत करते हुए कहा कि लोगों ने सदैव उन्हें अपार प्रेम दिया है. यही कारण है कि जिले के वे पहले नेता हैं, जिन्हें जिला परिषद से विधानसभा और विधानसभा से लोगों ने सीधे संसद में भेजा है. वहां भी जिले के विकास के लिए उनका लगातार प्रयास है. वे कहते हैं कि दिखावा की उनमें कभी आदत नहीं रही है. वे जो करते हैं जनता के हित के लिए दिल से करते हैं. यही कारण है कि लोगों का अपार प्रेम उन्हें मिलता है. सांसद जैसे बड़े पद पर रहने के बाद भी उनकी सादगी, समझदारी और सभी को सम्मान देने वाली अदा निश्चित तौर पर सभी को आकर्षित करती है. वे कहते हैं कि लोगों का प्रेम ही उन्हें यहां तक पहुंचाया है.विकास का भरोसा दिलाते हुए लोगों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहते हैं.

मानवधर्म, गौमाता सेवा है सर्वोच्च सेवा

पूज्य शिव गुरू शर्मा जागरूकता को महत्व देने वाले आचार्य हैं

विदर्भ स्वाभिमान,21 जनवरी

अमरावती - वर्तमान में धर्म के बारे में बताने लेकिन स्वयं के आचरण में नहीं उतारने के दौर के बीच देश में कुछ ऐसे भी आचार्य हैं, जो जीवन में जो बोलते हैं, वही करते हैं. ऐसे ही आचार्यों में उज्जैन की पावन नगरी के उन्हेल निवासी और सैकड़ों गौमाता की सेवा का भाग्य प्राप्त करने वाले गोलोकधाम के प्रमुख पूज्य शिव गुरू शर्मा श्री शिव महापुराण, श्रीराम कथा, श्रीमद् भागवत कथा के प्रवक्ता ही नहीं तो सामाजिक, मानवीय तथा राष्ट्रधर्म को प्रेरित व्यक्तित्व हैं. भागदौड़ भरे जीवन में कुछ ही लोग रिश्तों को निभा पाते हैं. वचन देना और भूल जाना जहां लोगों की फितरत हैं, वहीं गोलोक धाम गौशाला के संचालक और राष्ट्रीय स्तर पर तेजी से छा रहे श्री शिव महापुराण, श्रीमदभागवत कथा तथा श्रीराम कथा के माध्यम से लाखों लोगों को देशप्रेम, धर्मप्रेम, सनातन धर्म का महत्व बताने वाले पूज्य शिव गुरू शर्मा की वचन देने और निभाने की खूबी का अनुभव अमरावतीवासी करेंगे. 19 जनवरी से खोलापुरी गेट क्षेत्र के मालीपुरा में श्री महारूद्र हनुमान मंदिर में आयोजित श्री शिव महापुराण

कथा में बड़ी संख्या में भक्त शामिल होते हैं. गुरूदेव ने पिछली गड़गड़ेश्व महादेव मंदिर में शिव महापुराण कथा के दौरान ज्ञान शांति उपवन को भेंट देकर यहां के बुजुर्ग माता-पिता से आत्मीयता से मुलाकात की,वहीं दो-दो राष्ट्रपतियों से सम्मानित होने वाली अंध विद्यालय की सेवानिवृत्त प्राचार्य गौरी गणेश अय्यर को अपनी आई कहा. गुरूदेव के दर्शन से जहां गणेश अय्यर की आंखें नम हो गई, वहीं दूसरी ओर गौरी अय्यर भी इस तरह से परमार्थी और दूसरों की खुशियों का विचार करने वाले गुरुदेव के रूप में पुत्र पाकर धन्य हो गई.सनातन धर्म तथा हिंदुत्व के मामले में पूज्य शिव गुरू शर्मा महाराज जहां आक्रामक रहते हैं, वहीं दूसरी ओर संस्कारों को अत्याधिक महत्व देते हैं. उनका मानना है कि संस्कार से जीवन संवरता है. मालीपुरा में जारी श्री शिव महापुराण कथा में भाजपा नेत्री पूर्व सांसद नवनीत राणा ने बुधवार को गुरूदेव का आशिर्वाद लिया. दोनों ने कुछ समय तक चर्चा भी की. गुरूदेव मानव,राष्ट्र धर्म प्रेमी आचार्य हैं.नवनीत राणा के कार्यों की सराहना गुरूदेव ने करते हुए कहा कि जिस तरह से हिंदुत्व का ध्वज उन्होंने उठाया है और सदा इसमें सेवारत रहती हैं, वह अपने आप में बड़ी बात है. रवि राणा तथा नवनीत राणा को उत्तरोत्तर प्रगति की शुभकामनाएं भी मालीपुरा कथा में उन्होंने दी.

शिक्षा तथा सेवाभावी व्यक्तित्व हैं प्रा.रघुनाथ कुबड़े

जन्मदिन पर असंख्य लोगों ने दी शुभकामनाएं

अमरावती शहर के शारदा नगर निवासी तथा भारतीय महाविद्यालय राजापेठ के सेवानिवृत्त प्रा. रघुनाथ कुबड़े का मानना है कि जीवन केवल साधन से सुखी नहीं होता है बल्कि जीवन में जो व्यक्ति व्यस्त रहता है, वही मस्त रहता है. यही कारण है कि सेवानिवृत्ति के बाद भी प्रा. रघुनाथ कुबड़े आज भी कई संगठनों के माध्यम से मानव सेवा में व्यस्त रहते हैं.उनके ही प्रयासों से आज जहां मनपा का शारदा नगर बगीचा बेहतरीन बगीचे में गिना जाता है, वहीं दूसरी ओर यहां स्वास्थ्य के लिहाज से कई उपक्रम चलाते हैं. इसमें महिलाओं, युवाओं के अलावा बुजुर्ग लोगों के लिए सुबह मार्निग वॉक के साथ योग की कक्षाएं, हास्य क्लब के माध्यम से लोगों को खुशियां देकर स्वस्थ रखने का कार्य करते हैं. उनका मानना है कि मानव को मानव से प्रेम करना चाहिए और जितना संभव हो परमार्थ का जीवन जीकर स्वयं भी खुश रहने और अन्यों को भी खुश रखने का प्रयास करना चाहिए.

उन्होंने शारदा नगर ज्येष्ठ नागरिक कृति समिति के अध्यक्ष के रूप में पिछले 9 वर्षों से सेवा दे रहे हैं. इस बगीचे की सुंदरता, साफ-सफाई, हरा-भरा नजारा, बच्चों के लिए खेलने के साथ ही ओपन जिम का लाभ न केवल शारदानगर बल्कि आसपास के सैकड़ों लोगों द्वारा लिया जा रहा है. मानव सेवा के साथ पर्यावरण संतुलन के लिए भी वे निरंतर प्रयासरत रहते हैं. उनका मानना है कि प्रकृति हमें बहुत कुछ देती है लेकिन स्वार्थी इंसान जंगलों को और अन्य प्राकृतिक वस्तुओं के साथ जिस तरह से छेड़छाड़ करता है, उसका खामियाजा समूचे मानव को भुगतना पड़ता है. यहां पर उनके नेतृत्व में पौधारोपण, वाटर हार्वे स्टिंग के साथ ही सौर उर्जा को प्रोत्साहन दिया जाता है. रात्रि में भी यहां पर बड़ी संख्या में नागरिक पर्यावरण के सानिध्य में बैठकर

आनंद लेते हैं. अमरावती के इस बगीचे में महामानवों की जयंती तथा पुण्यतिथि का आयोजन करते हुए युवा पीढ़ी को उनके विचारों पर चलने के लिए प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जाता है. इसमें प्रमुख रूप से छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती, सावित्रीबाई फुले जयंती, महात्मा गांधी जयंती, विश्व योग दिवस सहित सभी राष्ट्रीय पर्वों पर शानदार कार्यक्रम लिया जाता है. इसमें क्षेत्रवासी भी पूरे उत्साह के साथ शामिल होते हैं.

बचपन से ही सेवाभावना-प्रा. रघुनाथ कुबड़े का जन्म वाशिम जिले में छोटा गांव मनभा में हुआ, तमाम असुविधाएं रहने के बाद 16 जनवरी 1947 को जन्मे प्रा. रघुनाथ काशीनाथ कुबडे में बचपन से ही शिक्षा और मानव धर्म की सीख माता-पिता से मिली. यद्यपि बचपन में पिता का साया हटने का गम आज भी वे नहीं भूल पाते हैं लेकिन उनका मानना है कि संघर्ष ही जीवन में सफलता की सीढ़ी हुआ करते हैं.

व्यस्त रखें, मस्त रहें-जीवन चलने का नाम है, इसमें कई बार बुढ़ापे में नकारात्मक विचार हमें घेरते हैं. सदा खुश रहने और व्यस्त रखने वाले व्यक्ति के लिए उम्र लंबी हो जाती है. प्रा. कुबड़े का मानना है कि बुजुर्गों को अपने अनुभव का लाभ परिवार तथा समाज को देने का प्रयास करना चाहिए. जब हम व्यस्त रहते हैं तो नाहक के विचार हमारे मन में नहीं आते हैं और जीवन का हर पल सुनहरा हो जाता है. वे स्वयं के जीवन में हमेशा इसी का अनुकरण करते हैं. उनके जन्मदिन पर हजारों मित्रों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ और खुशहाल जीवन रहने की कामना की. अपनी कामयाबी में मित्रों का धन्यवाद करते हुए इसी तरह का सहयोग सदैव रहने का विश्वास जताया.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

हर दिन से प्यारा लगता है हमें ये खास दिन,
जिसे बिताना नहीं चाहते आप बिन।
वैसे तो दिल देता है सदा ही दुआ आपको,
फिर भी कहते हैं मुबारक हो जन्मदिन आपको।

शारदा नगर ज्येष्ठ नागरिक कृति समिति के अध्यक्ष, विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी तथा सेवाभाव से परिपूर्ण

प्रा.रघुनाथ काशीराव कुबड़े

को जन्मदिन की मंगलमय

हार्दिक शुभकामनाएं.

आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

शुभेच्छुक

लॉफिंग क्लब, मार्निग क्लब, शारदा नगर बगीचा मित्र परिवार, विदर्भ स्वाभिमान परिवार अमरावती, अकोला, प्रयागराज, हिंगोली.

राजनीति में अबूझ पहेली हैं विधायक रवि राणा

मनपा भाजपा के बाद सबसे बड़ी पार्टी बनी युवा स्वाभिमान, महानगर में बढ़ी लोकप्रियता, दिन रात एक किया राणा परिवार ने

विदर्भ स्वाभिमान,21 जनवरी
अमरावती- बिना किसी राजनीतिक विरासत के नायक के जैसे राजनीति में प्रवेश और विधायकी का रिकार्ड बनाने वाले विधायक रवि राणा ने युवा स्वाभिमान पार्टी को कामयाबी की बुलंदी पर पहुंचाया है. महापालिका में पार्टी ने जिस तरह से शानदार प्रदर्शन किया, वह जहां काबिले तारीफ है, वहीं जनता के अपार प्रेम का भी परिचायक है. गठबंधन तोड़ने के बाद भी भाजपा के बाद उसका प्रदर्शन सोच के बाहर का गहना गलत नहीं होगा. इसमें बड़े भाई सुनील राणा के साथ ही सभी पदाधिकारियों और सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है.

अमरावती महानगरपालिका के लंबे समय से लंबित चुनाव परिणामों में बडनेरा के विधायक रवि राणा की युवा स्वाभिमान पार्टी ने 15 सीटें जीतकर भाजपा के बाद दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनने का गौरव हासिल किया है. वर्ष 2017 में जहाँ पार्टी के पास केवल 3 सीटें थीं, वहीं इस बार 15 सीटें जीतना युवा स्वाभिमान पार्टी की एक बड़ी हनुमान छलांग मानी जा रही है.

कांग्रेस को भी 15 सीटें मिली हैं, यानी 2017 की तुलना में कांग्रेस की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है. एमआईएम को 12 और राष्ट्रवादी (अजित पवार गुट) को 11 सीटें मिली हैं. ऐसे में युवा स्वाभिमान पार्टी के बिना भाजपा के लिए महापौर बनाना संभव नहीं है. रवि राणा ऐसे नेता हैं जो ढाई वर्ष महापौर पद और पाँच वर्ष उपमहापौर पद लिए बिना समर्थन देने वाले नहीं हैं. इसलिए अमरावती महानगरपालिका की राजनीति में रवि राणा निर्णायक भूमिका में नजर आ रहे हैं.

अमरावती महानगरपालिका चुनाव में गठबंधन से लेकर समर्थन तक कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले. नामांकन के अंतिम दिन तक गठबंधन की बातचीत चलती रही, लेकिन गठबंधन नहीं हो पाया. परिणामस्वरूप सभी दलों ने स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ा और किसी के पास भी महापौर पद के लिए आवश्यक बहुमत नहीं आया. परिणाम इस प्रकार रहे भाजपा 25, युवा स्वाभिमान 15, कांग्रेस 15, राष्ट्रवादी (अजित पवार) 11, एमआईएम 12, शिंदे शिवसेना 3, बसपा 3, शिवसेना (ठाकरे) 2 और वंचित बहुजन आघाड़ी 1 सीट.कांग्रेस 2017 की तरह इस बार भी 15 सीटों पर ही सिमटी रही.रवि राणा की पहचान वर्ष 2008 से जनता के बीच बननी शुरू हुई. उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों से मतदान जनजागृति अभियान चलाया.बडनेरा विधानसभा क्षेत्र का भातकुली तालुका उनके लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ. इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और बडनेरा विधानसभा क्षेत्र ने उन्हें 2009, 2014, 2019 और 2024 में लगातार चार बार विधायक चुना.निर्दलीय विधायक रहते हुए 2009 में उन्होंने कांग्रेस से नजदीकियाँ बढ़ाईं. उनका उद्देश्य स्पष्ट था सत्ताधारी दल के साथ रहने से विकास कार्य जल्दी होते हैं. कांग्रेस की सत्ता जाने और भाजपा की सत्ता आने के बाद उन्होंने भाजपा से भी नजदीकी संबंध बनाए. आज जिले की भाजपा और राज्य के मुख्यमंत्री से उनके करीबी संबंध विभिन्न घटनाक्रमों से स्पष्ट दिखाई देते हैं.जिले के लगभग हर दल और हर नेता से उनका टकराव हुआ, लेकिन वे कभी पीछे नहीं हटे. हाल ही में महानगरपालिका चुनाव में उन्होंने भाजपा और महायुति को अपनी रणनीति पर चलने के लिए मजबूर कर दिया. महायुति

में रहते हुए भी उन्होंने युवा स्वाभिमान पार्टी के 32 उम्मीदवार मैदान में उतारे, जिनमें से 15 विजयी हुए. यह एक बड़ी जीत रही, क्योंकि अब भाजपा के पास सत्ता गठन के लिए युवा स्वाभिमान पार्टी के अलावा कोई विकल्प नहीं है.इससे पहले सीटों के बंटवारे को लेकर जबरदस्त असमंजस बना रहा. यहां तक कि पालकमंत्री सीधे रवि राणा के फार्महाउस पहुँचे, फिर भी सहमति नहीं बन सकी. वे अपने निर्णय पर अडिग रहे. इसलिए अमरावती महानगरपालिका में महापौर बनाने में रवि राणा की भूमिका बेहद अहम रहने वाली है, इसमें कोई संदेह नहीं है. सत्ता में भागीदारी भी 50-50 के आधार पर होगी. भले ही भाजपा का स्थानीय नेतृत्व पूरी तरह सहमत न हो, लेकिन रवि राणा ऐसे राजनीतिक जादूगर हैं जो मुख्यमंत्री और पालकमंत्री के माध्यम से सत्ता का संतुलन साधने में सक्षम हैं.सभी विपरीत स्थितियों को कोई नेता अपने पक्ष में कैसे बना सकता है, इसका राजनीति में नायक के रूप में उदाहरण रवि राणा हैं, सभी नटों का एक ही पाना, रवि राणा.

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क
9423426199/8855019189

सत्य और शुभ विचार होते हैं भोलेनाथ का स्वरूप

घुईखेड में श्रीसंत बेंडोजी महाराज की संजीवनी समाधि समारोह में वैभवश्रीजी पांडे का उपदेशपूर्ण मत

विदर्भ स्वाभिमान, 21 जनवरी

चांदूर रेलवे-शुभ विचारों का स्वरूप ही शिव है, जीवन में शुभ विचारों का अत्याधिक महत्व होता है.परमार्थ के सर्वोच्च उदाहरण भगवान भोलेनाथ हैं, जिन्होंने सागर मंथन से प्राप्त द्रव्य की बजाय दुनिया को बर्बाद करने वाले विष पी लिया.

इस आशय का उपदेशपूर्ण प्रतिपादन वैभवश्रीजी पांडे ने किया. महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों से आए हजारों भक्तों का श्रद्धास्थान और विदर्भ का एकमात्र संजीवनी समाधि स्थल, चांदूर रेलवे तालुका के घुईखेड में स्थित श्री संत बेंडोजी महाराज की संजीवनी समाधि समारोह में मंगलवार को दूसरे दिन संगीतमय शिवपुराण कथा में वे मार्गदर्शन कर रही थीं. इस अवसर पर विदर्भ कन्या वैभवश्री पांडे (वृंदावन) ने प्रवचन देते हुए कहा-शिव का अर्थ है शुभ. हमारे बोलने, व्यवहार और विचारों में जो अच्छाई है, वही शिवतत्त्व है.उन्होंने भक्तों को आत्मपरिवर्तन का संदेश दिया.

वैभवश्रीजी पांडे ने शिवपराण की बातें बेहद सरल और ह्मदयस्पर्शी शब्दों में समझाई. उन्होंने कहा-शिव केवल भगवान नहीं हैं, बल्कि शुभता का प्रतीक हैं. इस संसार में जो कछ भी मंगल, पवित्र और अच्छा है, वही शिवतत्त्व है. हम किसी के बारे में बुरा बोल सकते हैं, लेकिन यदि हम शुभ बोलते हैं, तो हमारे शब्दों में ही शिवत्व प्रकट होता है. कथा के माध्यम से उन्होंने भक्तों को आत्मचिंतन का संदेश दिया.हमारे बोलने, व्यवहार और विचार में अच्छाई हो, यही शिवपुराण कथा की असली सीख है,उन्होंने स्पष्ट किया और यह भी बताया कि भक्ति केवल पूजा नहीं है, बल्कि जीवन जीने की पवित्र विधि है.

इस भक्तिमय प्रवचन से पूरे क्षेत्र में शिवनाम की गूंज सुनाई दी. भक्तों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ कथा श्रवण किया. श्री संत बेंडोजी महाराज की संजीवनी समाधि समारोह में यह शिवपुराण कथा सप्ताह भक्तों के मन में शिवत्व जाग्रत करने वाला और जीवन को सकारात्मक दिशा देने वाला साबित हो रहा है. क़था सुनने के लिए बड़ी संख्या में भक्त उमड़ पड़े हैं. सफलतार्थ प्रवीण घुईखेड़कर के साथ सभी प्रयास कर रहे हैं. कथा में विभिन्न प्रसंग और भजनों पर लोग झूम रहे हैं.

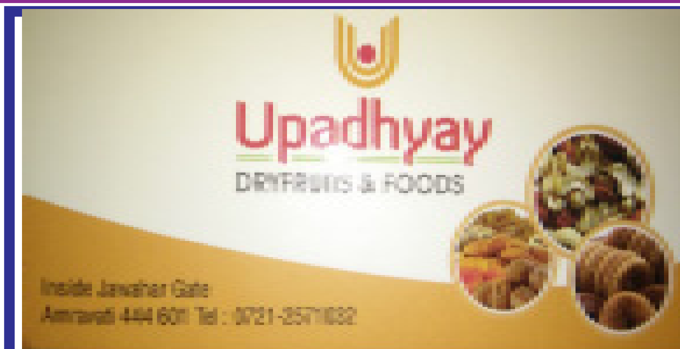

उपाध्याय ड्रायफ्रूट्स एन्ड फुडस्,जवाहर रोड के भीतर,अमरावती

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी. शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य 1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर
9881388450

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048